प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर कार्यशाला के साथ पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन का समापन

पंतनगर। १२ नवम्बर, २०१७। विश्वविद्यालय में चल रहे स्थापना सप्ताह के अन्तर्गत आज पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन का समापन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों के स्वर्ण एवं रजत जयंती बैच को सम्मानित किया गया। अपने समापन सम्बोधन में कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने पूर्व विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रगति में सहायक बनने के साथ-साथ यहां के विद्यार्थियों को अपने-अपने संस्थानों से जोड़ने व उनकी आगे की जीवन यात्रा के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करने के लिए कहा। डा. मिश्रा ने पूर्व विद्यार्थियों से अपने विश्वविद्यालय को सशक्त करने व आगे बढ़ने में वर्तमान चुनौतियों का सामना करने के लिए मार्ग दर्शन देने का भी अनुरोध किया। कार्यक्रम के अंत में ४ए की सचिव, डा. सुनिता पांडे ने सभी पूर्व विद्यार्थियों को पंतनगर आने के लिए तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

इससे पूर्व प्रातः १०:०० बजे से विद्यार्थी विश्वविद्यालय संवर्धन संगठन (४ए) की वार्षिक बैठक आयोजित हुयी, जिसमें ४ए के वार्षिक रिर्पोट एवं बैलेंस शीट को प्रस्तुत किया गया। साथ ही पूर्व विद्यार्थियों के सम्मेलन का सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें अगले वर्ष के लिए कार्य योजना बनायी गयी। दोपहर १२:०० बजे से 'बौद्धिक सम्पदा अधिकार : अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन भी डा. रतन सिंह सभागार में हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं भारत सरकार के कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एवं डिजायन, श्री ओम वीर सिंह ने अपना व्याख्यान दिया, जिसका विषय था 'विश्वविद्यालयों एवं उद्यमिता के लिए बौद्धिक सम्पदा'। इस सत्र के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के बौद्धिक सम्पदा केन्द्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डा. जे.पी. मिश्रा, थे।

पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन के समापन सत्र में मंचासीन कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा एवं अन्य